कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (78) खण्ड - {155}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- सारा खेल दो बातों पर बना हुआ है -

A- राम राज्य और रावण राज्य

B- तमोप्रधान और सतोप्रधान

C- भारत की हार और भारत की जीत

D- पतित और पावन

प्रश्न 2- ग्रहचारी बैठने का मुख्य कारण -

A- विकार

B- माया के तूफान लगने से

C- योग की कमी है

D- श्रीमत पर न चलने से

प्रश्न 3- तुम पढ़ते ही हो....

A- देवता बनने के लिए

B- स्वर्ग

C- भविष्य 21 जन्म

D- नयी दुनिया के लिए के लिए।

प्रश्न 4- बाप किन बच्चों की वाह वाह करते हैं ?

A- फरमानबरदार बच्चों की

B- मोतेले बच्चों की

C- गरीब बच्चों की

D- रूहे गुलाब बच्चों की

प्रश्न 5- बाप से कनेकशन ठीक रखो तो -

A- सर्व शक्तियों की करेन्ट आती रहेगी

B- मालामाल बन जायेंगे

C- खुशी का झरना अखुट अविनाशी बहता रहेगा

D- कोई अप्राप्ति नहीं रहेगी

प्रश्न 6- पण्डित लोग कौन सा यज्ञ रचते हैं ?

A- स्थूल यज्ञ

B- रूद्र

C- शालिग्राम का

D- ज्ञान यज्ञ

प्रश्न 7- सत धाम है -

A- सुखधाम

B- शान्तिधाम

C- ईश्वर का धाम

D- A और B

E- A, B और C

प्रश्न 8- संगमयुग पर भाग्य के अखुट खजाने की कौन सी चाबी मिलती है ?

A- याद की

B- बाबा शब्द की

C- सर्व खजानों की

D- नॉलेज की

प्रश्न 9- महान पुण्य का कार्य है ?

A- घर-घर में प्रदर्शनी खोलो,

B- किसको बाप का रास्ता बताना,

C- बाप को याद करना,

D- दुआएँ देना दुआएँ लेना

प्रश्न 10- जब आप मायाजीत ..... बनेंगे तब माया भक्त बनेगी ?

A- मास्टर भगवान

B- ब्रह्मा बाप के समान

C- प्रकृति जीत

D- सम्पूर्ण पावन

प्रश्न 11- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए ?

A- सर्व-गुण सम्पन्न

B- सम्पूर्ण निर्विकारी

C- पवित्र

D- मास्टर सर्वशक्तिवान

प्रश्न 12- बाप को याद करना गोया कौन सा वर्सा लेना ?

A- शान्ति

B- शक्ति

C- सुख

D- सुख- शान्ति

प्रश्न 13- नई दुनिया की स्थापना का मुख्य आधार क्या है ?

A- दिव्य गुण

B- योग बल

C- पवित्रता

D- पढ़ाई

प्रश्न 14- यहाँ वर्सा किसे मिलता है ....

A- आत्मा को

B- भाई भाई को

C- भाई बहन को

D- बच्चों को

प्रश्न 15- अक्लमंद बन अपना जीवन.....में लगाना है ?

A- ईश्वरीय सेवा

B- रूहानी पढ़ाई

C- विश्व कल्याण में

D- स्व उन्नति

प्रश्न 16- तुम बच्चों के नाम भी कितने रमणीक थे। वह नाम की लिस्ट एलबम में रख देनी चाहिए। गुलजार दादी का असली नाम -

A- शोभा

B- आशा

C- गीता

D- हृदयमोहिनी

भाग (78) खण्ड {155} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C. भारत की हार और भारत की जीत*

सारा खेल दो बातों पर बना हुआ है। भारत की हार और भारत की जीत। भारत में सतयुग आदि के समय पवित्र धर्म था, इस समय है अपवित्र धर्म। अपवित्रता के कारण अपने को देवता नहीं कह सकते हैं फिर भी श्री श्री नाम रखा देते हैं। लेकिन श्री माना श्रेष्ठ। श्रेष्ठ कहा ही जाता है पवित्र देवताओं को।

उत्तर 2- *C.योग की कमी है*

अच्छे-अच्छे फर्स्टक्लास बच्चों पर भी ग्रहचारी बैठती है। *ग्रहचारी बैठने का मुख्य कारण योग की कमी है।* ग्रहचारी के कारण ही नाम-रूप में फँस मरते हैं। यह बड़ी मंजिल है। अगर सच्ची मंजिल पानी है, तो याद में रहना पड़े।

उत्तर 3- *C.भविष्य 21जन्म*

तुम एक शरीर छोड़ फिर दूसरा लेते हो। जो बहुत अच्छे-अच्छे हैं वह जरूर ऊंच कुल में जन्म लेंगे। *तुम पढ़ते ही हो भविष्य 21 जन्म के लिए।* पढ़ाई पूरी हुई और प्रालब्ध शुरू होगी। स्कूल में पढ़कर ट्रांसफर होते हैं ना। तुम भी ट्रांसफर होने वाले हो - शान्तिधाम फिर सुख-धाम में।

उत्तर 4- *C.गरीब बच्चों की*

बाबा गरीब बच्चों की वाह-वाह करते हैं, वाह गरीबी वाह! आराम से दो रोटी खाना है, हबच (लालच)

नहीं। गरीब बच्चे बाप को प्यार से याद करते हैं। बाबा अनपढ़े बच्चों को देख खुश होते हैं क्योंकि उन्हें पढ़ा हुआ भूलने की मेहनत नहीं करनी पड़ती है।

उत्तर 5- *A.सर्व शक्तियों की करेन्ट आती रहेगी*

स्लोगन:- *बाप से कनेक्शन ठीक रखो तो सर्व शक्तियों की करेन्ट आती रहेगी।*

उत्तर 6- *B.रूद्र*

पण्डित लोग जब रूद्र यज्ञ रचते हैं तो शिव का बहुत बड़ा लिंग बनाते हैं और शालिग्राम छोटे-छोटे बनाते हैं। शालिग्राम कहा जाता है आत्मा को। शिव कहा जाता है परमात्मा को। वह सभी का बाप है, हम सब हैं भाई-भाई, कहते भी हैं ब्रदरहुड। बाप के बच्चे हम भाई-भाई हैं।

उत्तर 7- *D. A और B*

तुम बच्चों की बुद्धि में है - हम पुरुषोत्तम संगमयुग पर हैं। बाप पुरुषोत्तम बनाने आये हुए हैं। जैसे बैरिस्टरी, डॉक्टरी आदि पढ़ते हैं जिससे मर्तबा पाते हैं। समझते हैं इस पढ़ाई से हम फलाना बनूँगा। यहाँ तुम सत के संग में बैठे हो, जिससे तुम सुखधाम में जाते हो। *सत धाम भी दो हैं - एक सुखधाम, दूसरा है शान्तिधाम।*

उत्तर 8- *D.नॉलेज की*

संगमयुग पर सभी बच्चों को भाग्य बनाने के लिए नालेज रूपी चाबी मिलती है। ये चाबी लगाओ और जितना चाहे उतना भाग्य का खजाना लो। चाबी मिली और मालामाल बन गये। जो जितना मालामाल बनते हैं उतना खुशी स्वत: रहती है।

उत्तर 9- *A.घर-घर में प्रर्दशनी खोलो*

बाप कहते हैं अब सर्विस में तत्पर रहो। *घर-घर में प्रदर्शनी खोलो। इन जैसा महान पुण्य कोई होता नहीं।*

यह प्रदर्शनी तो तुम्हारे घर-घर में होनी चाहिए क्योंकि तुम बच्चे ब्राह्मण हो। तुम्हारे घर में यह चित्र जरूर होने चाहिए। इन पर समझाना बहुत सहज है।

उत्तर 10- *A.मास्टर भगवान*

मगन अवस्था का अनुभव करने के लिए अपने अनेक टाइटल वा स्वरूप, अनेक गुणों के श्रृंगार,अनेक प्रकार के खुशी की, रचता और रचना के विस्तार की प्वाइंट्स, प्राप्तियों की जो आपकी पसन्दी हो उस पर मनन करो तो मगन अवस्था सहज अनुभव होगी। फिर कभी परवश नहीं होंगे, माया सदा के लिए नमस्कार करेगी। संगमयुग का पहला भक्त माया बन जायेगी। *जब आप मायाजीत मास्टर भगवान बनेंगे तब माया भक्त बनेगी।*

उत्तर 11- *D.मास्टर सर्वशक्तिमान*

श्रीमत भगवत गीता कहते हैं, कितनी बड़ी महिमा है। देवताओं की भी महिमा गाते हैं - *सर्व-गुण सम्पन्न, सम्पूर्ण निर्विकारी..... बाप ही आकर सम्पूर्ण पावन बनाते हैं।* जब सम्पूर्ण पतित दुनिया बनती है तब ही बाप आकर सम्पूर्ण पावन दुनिया बनाते हैं।

उत्तर 12- *A.शान्ति*

बाप को याद करना है, यही मुख्य बात है। *बाप को याद करना गोया शान्ति का वर्सा लेना।* शान्ति में सब आ जाता है। तुम्हारी आयु भी बड़ी हो जाती है, निरोगी काया भी बनती जाती है।

उत्तर 13- *C.पवित्रता*

नई दुनिया की स्थापना का मुख्य आधार है पवित्रता। बाप जब ब्रह्मा तन में आकर नई दुनिया स्थापन करते हैं तब तुम आपस में भाई-बहन हो जाते हो।

स्त्री पुरुष का भान निकल जाता है। इस अन्तिम जन्म में पवित्र बनते हो तो पवित्र दुनिया के मालिक बन जाते हो।

उत्तर 14- *A.आत्मा को*

यहाँ वर्सा ही मिलता है आत्मा को। उसमें भाई बहन का सवाल नहीं उठता। आत्मा ही पढ़ती है, वर्सा लेती है। सबको हक है। तुम बच्चे इस पुरानी दुनिया में जो कुछ देखते हो - यह सब विनाश को पाना है।

उत्तर 15- *A.ईश्वरीय सेवा*

अक्लमंद बन अपनी जीवन ईश्वरीय सेवा में लगानी है। सच्चा-सच्चा रूहानी सोशल वर्कर बनना है। रूहानी पढ़ाई पढ़नी और पढ़ानी है।जो अक्लमंद बच्चे हैं वह सहज ही सब बातों को समझकर दूसरों को पढ़ाने लग पड़ेंगे। वह फौरन निर्णय लेंगे कि उस पढ़ाई से क्या मिलता है और इस पढ़ाई से क्या मिलता है। क्या पढ़ना चाहिए।

उत्तर 16- *A.शोभा*

तुम बच्चों के नाम भी कितने रमणीक थे। *जैसे गुलजार दादी का नाम शोभा था।* वह नाम की लिस्ट एलबम में रख देनी चाहिए। तुम भट्टी में थे, घरबार छोड़ बाप के आकर बने। एकदम भट्टी में आकर पड़े। ऐसी पक्की भट्टी थी जो अन्दर कोई आ न सके। जब बाप के बन गये तो फिर नाम जरूर होने चाहिए।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (78) खण्ड - {156}

प्रश्न 1- पहले-पहले तो समझाना ही यह है, दो बाप हैं ना। वे कौन से-

A- लौकिक

B- अलौकिक

C- पारलौकिक

D- A और B

E- A और C

प्रश्न 2- तुम हर एक को धनुष तोड़ना है अर्थात् -

A- तुफानों से डरना नहीं है

B- माया पर जीत पानी है

C- महावीर बनना है

D- पावन जरूर बनना है

प्रश्न 3- आत्मिक स्थिति में रहने का अभ्यास करो ?

A- सहनशील बनो

B- एकाग्रचित्त बनो

C- अंतर्मुखी बनो

D- निरंतर योगी बनो

प्रश्न 4- लास्ट का पुरूषार्थ व सर्विस है -

A- मन्सा द्वारा आत्माओं को सुख शांति की अंचली देना

B- अपने स्वरूप से बाप की प्रत्यक्षता करना

C- वृत्ति द्वारा वायुमंडल को पावरफुल बनाना

D- हर आत्मा तक बाप का पैगाम पहुँचाना

प्रश्न 5- अपनी अवस्था को एकरस बनाने के लिए -

A- ड्रामा पर संपूर्ण निश्चय रखना है।

B- सदा हर्षित रहना है।

C- देही-अभिमानी बनने का पुरुषार्थ करना है।

D- सर्व संबंध एक बाप से रखने हैं।

प्रश्न 6- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए ?

A- रूद्र की माला

B- विष्णु की माला

C- विजय माला

D- रुण्ड माला

प्रश्न 7- भविष्य ऊंच घराने में आने का आधार है -

A- पढ़ाई

B- याद

C- पावनता

D- याद और सेवा

प्रश्न 8- कहाँ यह नॉलेज रहती है, हम आत्मा हैं ?

A- सतयुग में

B- संगमयुग में

C- कलियुग में

D- A और B

प्रश्न 9- स्वर्गवासी बनने के लिए -

A- पावन जरूर बनना है

B- दिव्य गुण धारण करो

C- इस लाइफ में पूरी स्टडी करनी है

D- सम्पूर्ण नष्टोमोहा बनना है

प्रश्न 10- वही डबल लाइट हैं -

A- जो सदा आत्मिक स्थिति में रहते

B- जो हर कर्म करन करावनहार की स्मृति में करते

C- साक्षी दृष्टा स्थिति में रहते

D- जो मन से सदा संतुष्ट रहते

प्रश्न 11- ब्रह्मापुरी किस को कहेंगे ?

A- संगमयुग को

B- कलियुग को

C- सूक्ष्मवतन को

D- सतयुग को

प्रश्न 12- धर्मराजपुरी में कौन सजाएँ नहीं खाएंगे ?

A- संपूर्ण पावन अवस्था वाले

B- संपूर्ण नष्टोमोहा अवस्था वाले

C- कर्मातीत अवस्था वाले

D- उपराम अवस्था वाले

प्रश्न 13- कौन पढ़ाते तो सारे अमेरिका, जापान आदि सब तरफ से आ जाएं ?

A- श्रीकृष्ण

B- भगवान

C- शिवबाबा

D- कोई गुरू गोसाई

प्रश्न 14- सतयुग में ?

A- भक्ति होती ही नहीं

B- पुजारी एक भी होता नहीं

C- पूज्य एक भी होता नहीं

D- A, B और C

E- A और B

प्रश्न 15- पढ़ाई का सार क्या है ?

A- दुनिया की सब बातों को छोड़ दो

B- विश्व का मालिक बनना

C- दैवीगुण धारण करना

D- मैं आत्मा बिंदी मेरा बाबा बिंदी

प्रश्न 16- शिवबाबा हैं -

A- विश्व का मालिक

B- सच्चा ही सच्चा है

C- गॉड फादर

D- A, B, C

E- B और C

भाग (78) खण्ड {156} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *E. A और C*

पहले-पहले तो समझाना ही यह है, दो बाप हैं ना। एक लौकिक और दूसरा पारलौकिक। बड़ा तो जरूर पारलौकिक बाप हो गया, जिसको भगवान कहा जाता है। तुम जानते हो अभी हमको पारलौकिक बाप मिला है, और किसी को पता नहीं। धीरे-धीरे जानते जायेंगे।

उत्तर 2- *B.माया पर जीत पानी है*

तुम महावीर के बच्चे महावीर बने हो क्योंकि तुम माया पर जीत पाते हो। 5 विकार रूपी रावण पर हर एक जीत पाते हैं। एक मनुष्य की बात नहीं। *तुम हर एक को धनुष तोड़ना है अर्थात् माया पर जीत पानी है।* इसमें लड़ाई आदि की कोई बात नहीं।

उत्तर 3- *C.अंतर्मुखी बनो*

अव्यक्त इशारे - *आत्मिक स्थिति में रहने का अभ्यास करो, अन्तर्मुखी बनो*

उत्तर 4- *C.वृत्ति द्वारा वायुमण्डल को पावरफुल बनाना*

स्लोगन:- *वृत्ति द्वारा वायुमण्डल को पावरफुल बनाना यही लास्ट का पुरुषार्थ व सर्विस है।*

उत्तर 5- *C.देह-अभिमानी बनने का पुरूषार्थ करना है*

अपनी अवस्था को एकरस बनाने के लिए देही-अभिमानी बनने का पुरुषार्थ करना है। इस पुराने घर से ममत्व निकाल देना है।

उत्तर 6- *A.रुद्र की माला*

सिविलवार में भी एक-दो को मारते कैसे हैं, किसको हम मारते हैं वह भी पता नहीं पड़ता है। हाहाकार के बाद जयजयकार होनी है। *तुम्हारी विजय, बाकी सब विनाश हो जायेंगे। रूद्र की माला में पिरोकर फिर विष्णु की माला में पिरोये जायेंगे।* अभी तुम पुरुषार्थ करते हो अपने घर जाने के लिए।

उत्तर 7- *A.पढ़ाई*

भविष्य ऊंच घराने में आने का आधार है पढ़ाई, यह पढ़ाई है, जैसे इन्जीनियरी, बैरिस्टरी आदि पढ़ते हैं तो बुद्धि में रहता है कि हम घर बनायेंगे फिर यह करेंगे.... हर

एक को अपना कर्तव्य स्मृति में आता है। तुम बच्चों को जाकर बड़े ऊंच घर में जन्म लेना है इस पढ़ाई से।

उत्तर 8- *D. A और B*

यथार्थ आत्मा क्या है, यह कोई भी मनुष्य मात्र नहीं जानते। *अभी तुम बच्चों को यह नॉलेज (संगमयुग पर) मिलती है जो फिर तुम साथ ले जाते हो। वहाँ (सतयुग में) यह नॉलेज रहती है, हम आत्मा हैं* यह पुराना शरीर छोड़ दूसरा लेते हैं। आत्मा की पहचान साथ में ले जाते।

उत्तर 9- *C.इस लाइफ में पूरी स्टडी करनी है*

हम स्वर्गवासी बनने के लिए पढ़ रहे हैं। यह खुशी स्थाई रहनी चाहिए, इस शरीर से कभी भी तंग नहीं होना है। इस शरीर में ही जी करके बाप से वर्सा पाना है। *स्वर्गवासी बनने के लिए इस लाइफ में पूरी स्टडी करनी है।*

उत्तर 10- *D.जो मन से सदा संतुष्ट रहते*

स्लोगन:- *जो मन से सदा सन्तुष्ट है वही डबल लाइट है।*

उत्तर 11- *A.संगमयुग को*

अभी बाप यथार्थ समझाते हैं - ब्रह्मा सो विष्णु, विष्णु सो ब्रह्मा कैसे बनते हैं। बच्चों में अभी समझ है कि हम ब्रह्मापुरी के हैं फिर विष्णुपुरी के बनेंगे। विष्णुपुरी से *ब्रह्मापुरी (संगमयुग)* में आने में 84 जन्म लगते हैं।

उत्तर 12- *C.कर्मातीत अवस्था वाले*

जो कर्मातीत अवस्था वाले होंगे वह कोई धर्मराज पुरी में सज़ायें थोड़ेही भोगेंगे। स्वर्ग में तो सज़ा होगी ही नहीं। वहाँ गर्भ भी महल रहता है। कोई दु:ख की बात नहीं। यहाँ तो गर्भ जेल है जो सज़ायें खाते रहते हैं। तुम कितना बार स्वर्गवासी बनते हो - यह याद करो तो भी सारा चक्र याद रहे।

उत्तर 13- *A.श्रीकृष्ण*

किसको क्या पता कि इन्हों को भगवान कैसे पढ़ाते होंगे। *श्रीकृष्ण पढ़ाते तो सारे अमेरिका, जापान आदि सब तरफ से आ जाएं।* उनमें इतनी कशिश है। श्रीकृष्ण के साथ प्यार तो सबका है ना। अभी तो तुम बच्चे जानते हो हम सो बन रहे हैं।

उत्तर 14- *E. A और B*

सतयुग में भक्ति होती ही नहीं। पुजारी एक भी होता नहीं, पूज्य ही पूज्य हैं। आधाकल्प हैं पूज्य, आधाकल्प हैं पुजारी। भारतवासियों के लिए ही है पूज्य थे तो स्वर्ग था। अभी भारत पुजारी नर्क है। तुम बच्चे अब प्रैक्टिकल लाइफ बना रहे हो।

उत्तर 15- *A.दुनिया की सब बातों को छोड़ दो*

बाप कहते हैं बच्चे पढ़ाई का सार है दुनिया की सब बातों को छोड़ दो, ऐसे कभी नहीं समझो हमारे पास करोड़ हैं, लाख हैं। कुछ भी हाथ में नहीं आयेगा इसलिए अच्छी रीति पुरुषार्थ करो, पढ़ाई पर ध्यान दो।

उत्तर 16- *E. B और C*

सब कहते हैं हमारा बाबा, बाबा है, टीचर है, *वह सच्चा ही सच्चा है।* पढ़ाई भी सच्ची और पूरी है। उन मनुष्यों की पढ़ाई अधूरी है। *तुम चाहते हो ना - गॉड फादर लिबरेट कर स्वीट होम वापिस ले जाए।* अच्छा, अब तुम्हारे ऊपर जो कट (जंक) चढ़ी हुई है उसके लिए बाप कहते हैं मुझे याद करो।